

## असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II-र र दे—उप-अण्ड (i: PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रापिवार में प्रकाहित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 151] नईदिल्ली, जुड़पनिवार अप्रैन १६, 1981/चैल २६, 1903 No. 151] NEW DELHI, TAURSDAA, P. Jank, 1981/CHAITRA 26, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ करना दा जान, है जिस्से कि यह अलग सकलन के रूप में रणा जा सके

Separate paging is given to this Pa in order that it may be filed as a separate cur pi'ation

वितत संत्रालय

(राजस्य विभाग)

# अधिसूचना

मई दिल्ली, 16 अप्रण, 1981

कोन्द्र ता अस्पाद श्राक

सा. का. कि. 297 (अ). - चल्ताय मर एर हे द्रीय उत्पाद र कि नियम, 1944 के नियम, 174-क द्यारा दत्र कि स्व का मान करते हुए, भाना यह समाधान 586 THE GAZETTE OF INDIA LX FRAORDINARY [PART 11-Sec. 3(1)]

हो जाने पर िक लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, भारत सरकार के वित्त मत्रावय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सख्या 80/81 कन्द्रीय उत्पाद शुर ता 27 मारू, 1901 को विखिण्डल करती है।

> [अरि' '05/ा क उ व हा स 213/5 81-सी एक्स -6] डी मह्ता, जिल्हा

#### MINISTRY OF FINANCE

## (Department of Revenue)

#### NOTIL ICATION

New Delhi the 16th April 1981

### CENTRAL FXC1SES

G.S.R. 297(F)—In exercise of the powers conferred by rule 171 V of the Central Excise Rules, 1944 the Central Government being satisfied that it is necessary and expedient in the public interest so to do, he ely resemble the notification of the Government of India in the Mini to of the 200 Department of Revenue) No 80/81 C intral Excises, dated the 27th March 1981